rionews24.com/2021/03/24/%e0%a4%ac%

बचाव के तरीके अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं, एक दिवसीय व्याख्यान कही गई यह बात

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संकाय सभाकक्ष में बुधवार को एग्री विजन कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक दिवसीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं पीजी छात्र-छात्राओं के लाभार्थ हेतु भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर सी एस प्रहराज एवं वैज्ञानिक डॉक्टर रिवाना सिद्धा के व्याख्यान आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में डॉक्टर प्रहराज ने कृषि संरक्षण विषय पर विशेष रूप से दलहनी फसलों की बुवाई से लेकर कटाई अवधि तक की होने वाले संभावित नुकसान के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा आंकड़ों के माध्यम से बताया कि नुकसान के बचाव के तरीके अपनाकर कृषक अपनी आय बढ़ा सकते हैं। जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकते हैं।

इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉक्टर सिद्धा ने कृषि उत्पाद प्राप्त हो जाने के बाद से लेकर भंडारण और मूल्य संवर्धन के विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने दलहनी फसलों के मूल्य संवर्धन जैसे दाल बनाना, बेसन बनाकर बिक्री करने से अधिक आए अर्पित करने के तरीकों पर प्रकाश डाला। जिससे उत्पादक वास्तविक मूल्य से डेढ़ गुना अधिक तक आय प्राप्त कर सकते हैं। भंडारण में होने वाले नुकसानो के बारे में विस्तार से भी चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ धर्मराज सिंह अधिष्ठाता कृषि संकाय ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर डॉ करम हुसैन, डॉ एच जी प्रकाश निदेशक शोध सहित अन्य संकाय सदस्य तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

1111 (2).pdf - Read-only

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 5, अंक : 356 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, गुरुवार
25 मार्च, 2021
मूल्य ₹ 2.00

www.shashwattimes.com

सीएसएम में आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के संकाय सभाकक्ष में एग्री विजन कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक दिवसीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं पीजी छात्र-छात्राओं के लाभार्थ हेतु भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर सी एस प्रहराज एवं वैज्ञानिक डॉक्टर रिवाना सिद्धा के व्याख्यान आयोजित किए गए। इस

कार्यक्रम में डॉक्टर प्रहराज ने कृषि संरक्षण विषय पर विशेष रूप से दलहनी फसलों की बुवाई से लेकर कटाई अवधि तक की होने वाले संभावित नुकसान के बारे में विस्तार से चर्चा की। तथा आंकड़ों के माध्यम से बताया कि इन नुकसान के बचाव के तरीके अपनाकर कृषक अपनी आय बढ़ा सकते हैं जिससे ये आत्मनिर्भर बन सकें। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉक्टर सिद्धा ने कृषि उत्पाद प्राप्त हो जाने के बाद से लेकर भंडारण और मूल्य संवर्धन के विषय पर विस्तार से जानकारी दी उन्होंने दलहनी फसलों के मूल्य संवर्धन जैसे दाल बनाना, बेसन बनाकर बिक्री करने से अधिक आए अर्पित करने के तरीकों पर प्रकाश डाला। जिससे उत्पादक वास्तविक मूल्य से डेढ़ गुना अधिक तक आय प्राप्त कर सकते हैं। भंडारण में होने वाले नुकसानो के बारे में विस्तार से भी चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ धर्मराज सिंह अधिष्ठाता कृषि संकाय ने की।कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर डॉ करम हुसैन, डॉ एच जी प्रकाश निदेशक शोध सहित अन्य संकाय सदस्य तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन से हर घंटे लें मोबाइल पर मौसम का हाल

सीएसए के कुलपति डा. डी.आर. सिंह ने प्रोजेक्ट को स्वीकृत दी

कानपुर, 24 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के मौसम विभाग में जल्द ही ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन (एडब्लूएस)की स्थापना की जायेगी। इस प्रोजेक्ट को फाइल पर सीएसए के कुलपति डा. डी.आर. सिंह ने स्वीकृत भी प्रदान कर दी है, जो शीघ्र ही मौसम विभाग में एडब्लूएस लग जायेगा। सीएसए के मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन से हर घंटे कम्प्यूटर और मोबाइल पर मौसम का डाटा (मैसेज) उपलब्ध होगा। सीएसए के मौसम वैज्ञानिक डा. एस.एन. पांडे का कहना है कि सीएसए में मौसम की जानकारी के लिए अभी मैन्युअल तरीके से तापमान, हवा की गति, आद्रता और वर्षा रिकार्ड की जाती है, जिसमें मौसम विभाग के कर्मचारी स्वंय मौसम का डाटा लेने फार्म पर जाते हैं। इसके साथ ही भारत सरकार के मौसम विभाग से डाटा एकत्र कर बारिश के साथ फसलों की जानकारियां दी जाती है। अब ऑटोमेटिक वेंदर स्टेशन स्थापित किये जाने के लिए इस प्रोजेक्ट फाइल बनाकर कुलपति कार्यालय भेज दी गयी थी जिसे कुलपति डा. डी.आर. सिंह ने स्वीकृत भी दे दी है। अब प्रोजेक्ट के तहत कुटेशन मांगे जा रहे है और प्रक्रिया पूर्ण होने पर जल्द ही सीएसए के मौसम विभाग की बिल्डिंग में ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन स्थापित हो जायेगा। वैज्ञानिक ने बताया कि वर्तमान में यहां पर मैन्युअल तरीके से मौसम का डाटा एकत्रित करते है। एडब्लूएस स्थापित होने पर कम्प्यूटर और मोबाइल से सीधे कनेक्ट हो जायेगा। सिस्टम में एक घंटे की टाइमिग सेट करने पर खुद-ब-खुद कम्प्यूटर और मोबाइल पर मौसम का तापमान, हवा की गति सहित सभी डाटा आ जायेगा। इससे किसानों भाइयों के मोबाइल पर भी सीधे कनेक्ट कर मौसम की जानकारी दी सकेगी। जिससे बारिश, ठंड और सर्दी में पाला पड़ने जैसे स्थिति के बारे में भी किसानों को पहले ही अवगत करा दिया जाएगा, ताकि किसानों की फसलों का कम से नुकसान हो और उन्हे मौसम से होने वाली आर्थिक क्षति से भी बचाया जा सके।

सीएसए में मौसम विभाग की बिल्डिंग में स्थापित होगा एडब्लूएस

सीएसएयू वेदर एप डाउनलोड करें मिलेगी मौसम की जानकारियां

कानपुर, 24 मार्च। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर अब किसानों को एक वेदर एप के जरिए फसलों, बीज, नई तकनीकी के साथ अब मौसम के बारे में भी जानकारी देगा। सीएसए के मौसम विभाग ने सीएसएयू वेदर एप तैयार किया है, जो 24 घंटे मौसम की जानकारी देगा। कृषि वैज्ञानिकों की मदद से एप के जरिए मौसम का पूर्वानुमान भी बताया जायेगा। सीएसए के मौसम विभाग व वैज्ञानिक डॉ. एस. एन. पांडेय की अगुवाई में सीएसएयू वेदर एप तैयार किया गया है। यह एप विशेष रूप से सीएसए से संबद्ध 22 जिलों (कानपुर, हरदोई, उन्नाव, सीतापुर, फतेहपुर, रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, कन्नौज, औरैया, कानपुर देहात, फर्रुखाबाद, रायबरेली आदि) के किसानों के लिए बनाया गया है। इस एप को गूगल प्लेस्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इस एप के जरिए किसानों को मौसम के पूर्वानुमान के बारे में पूरी जानकारी दी जायेगी। ये एप बारिश, ओलावृष्टि, आंधी समेत तापमान के बारे में अपडेट होता रहेगा।

हाइड्रोपोनिक्स माडल से घर की छत पर उगाये सब्जियां

सीएसए के छात्र रहे डा.मयंक ने तैयार किया माडल

कानपुर, 24 मार्च। ताजी-हरी सब्जियां हमारे रोजमर्रा के जीवन का वो हिस्सा है, जिसे लेकर हर पढ़ा-लिखा व्यक्ति जागरूक रहता है अथवा रहना चाहता है पर क्या इतना काफी है क्योंकि इस जागरूकता के बावजूद उसे शायद अच्छी सब्जियां उपलब्ध नहीं होती हैं। मगर यह अब संभव है, हरी-ताजी सब्जियां आपको आपके अपने ही घर की छत पर मिल सकती हैं और इसके लिये बहुत ज्यादा जद्दोजहद भी नहीं करनी पड़ेगी। यह कारनामा कर दिखाया है चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शोध छात्र रहे डा.मयंक कुमार ने। उन्होंने हाइड्रोपोनिक्स का सफल माडल तैयार किया है। उनका कहना है कि शहरी घनी आबादी वाले महानगरों में लोगों द्वारा अपने घरों की छतों पर हाइड्रोपोनिक्स खेती विधी द्वारा सब्जियों का उत्पादन किया जा सकता है। इस विधी में मिट्टी की आवश्यक्ता नही होती है और रासयनिक उर्वरकों का प्रयोग भी नहीं किया जाता है। पूर्ण रूप से जैविक का दावा करने वाले डा.मयंक कहते है इसमें जल से सब्जी का उत्पादन किया जाता है।

न मिट्टी की आवश्यक्ता, न रासयनिक उर्वरकों की

शोध छात्र मयंक

खास बात यह है कि यह बहुत ही सहज है और घर की छतों पर भी संभव है। इस माडल की स्थापना में भी न्यूनतम लागत दस हजार रूपये तक आती है। जिसके बाद लगातार शुद्ध सब्जियों का उत्पादन कर सकते हैं। जिन्हे आप रोजमर्रा के खाने में उपयोग में लाने के अलावा भी प्रयोग कर सकते है। डा.मयंक कुमार लगातार जैविक खेती को बढ़ाने वाले माडल पर कार्य कर रहे है ताकि लोगों को शुद्ध सब्जिया खाने को मिल सकें।

प्रधान वैज्ञानिक ने दलहनी फसलों की बोआई से कटाई तक की होने वाले नुकसान पर की चर्चा

25/03/2021

कानपुर। सीएसए के संकाय सभाकक्ष में आज एग्री विजन कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक दिवसीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं पीजी छात्र-छात्राओं के लाभार्थ हेतु भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सी एस प्रहराज एवं वैज्ञानिक डॉ. रिवाना सिद्धा के व्याख्यान आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में डॉ. प्रहराज ने कृषि संरक्षण विषय पर विशेष रूप से दलहनी फसलों की बुवाई से लेकर कटाई अवधि तक की होने वाले संभावित नुकसान के बारे में विस्तार से चर्चा की। तथा आंकड़ों के माध्यम से बताया कि इन नुकसान के बचाव के तरीके अपनाकर कृषक अपनी आय बढ़ा सकते हैं।जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉ. सिद्धा ने कृषि उत्पाद प्राप्त हो जाने के बाद से लेकर भंडारण और मूल्य संवर्धन के विषय पर विस्तार से जानकारी दी उन्होंने दलहनी फसलों के मूल्य संवर्धन जैसे दाल बनाना, बेसन बनाकर बिक्री करने से अधिक आए अर्पित करने के तरीकों पर प्रकाश डाला। जिससे उत्पादक वास्तविक मूल्य से डेढ़ गुना अधिक तक आय प्राप्त कर सकते हैं। भंडारण में होने वाले नुकसानो के बारे में विस्तार से भी चर्चा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ धर्मराज सिंह अधिष्ठाता कृषि संकाय ने की।कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंद स्वरूप श्रीवास्तव, राजेश कश्यप ने किया। इस अवसर पर डॉ करम हुसैन, डॉ एच जी प्रकाश निदेशक शोध सहित अन्य संकाय सदस्य तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक समाचार

RNI No. UPHIN/2007/23059

विशाल प्रदेश

प्रधान सम्पादक- मोहम्मद नासिर

कानपुर का लोकप्रिय समाचार पत्र

वर्ष : 15 | अंक : 64 | शुक्रवार 25 मार्च 2021 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

एग्री विजन कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

कानपुर(विशाल प्रदेश)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के संकाय सभा कक्ष में एग्री विजन कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक दिवसीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं पीजी छात्र-छात्राओं के लाभार्थ हेतु भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर सी0एस0 प्रहराज एवं वैज्ञानिक डॉक्टर रिवाना सिद्धा के व्याख्यान आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में डॉक्टर प्रहराज ने कृषि संरक्षण विषय पर विशेष रूप से

दलहनी फसलों की बुवाई से लेकर कटाई अवधि तक की होने वाले संभावित नुकसान के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा आंकड़ों के माध्यम से बताया कि इन नुकसान के बचाव के तरीके अपनाकर कृषक अपनी आय बढ़ा सकते हैं जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉक्टर सिद्धा ने कृषि उत्पाद प्राप्त हो जाने के बाद से लेकर भंडारण और मूल्य संवर्धन के विषय पर विस्तार से जानकारी दी उन्होंने दलहनी फसलों के मूल्य संवर्धन जैसे दाल बनाना, बेसन बनाकर बिक्री करने से अधिक आए अर्पित करने के तरीकों पर प्रकाश डाला जिससे उत्पादक वास्तविक मूल्य से डेढ़ गुना अधिक तक आय प्राप्त कर सकते हैं भंडारण में होने वाले नुकसानो के बारे में विस्तार से भी चर्चा की कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ धर्मराज सिंह अधिष्ठाता कृषि संकाय ने की कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने किया इस अवसर पर डॉ करम हुसैन, डॉ एच जी प्रकाश निदेशक शोध सहित अन्य संकाय सदस्य तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे

कानपुर के टीबी अस्पताल में डिजिटल एक्सरे मशीन का किया शुभारंभ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया शुभारंभ निशुल्क होगा मरीजों का एक्सरे

कानपुर(विशाल प्रदेश)मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के शेख ने करवाया पहला डिजिटल एक्सरे उक्त कार्यक्रम में जिलाधिकारी करें सावधानी बरते हम सब मिलकर इस बीमारी को खत्म करेंगे प्रदेश

दलहनी फसलों को लेकर छात्र-छात्राओं से की चर्चा

जन एक्सप्रेस संवाददाता

25/03/2021

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संकाय सभाकक्ष में बुधवार को एग्री विजन कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक दिवसीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं पीजी छात्र-छात्राओं के लाभार्थ के लिए भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. सी. एस. प्रहराज एवं वैज्ञानिक डॉ. रिवाना सिद्धा के व्याख्यान आयोजित किए गए। कार्यक्रम में डॉक्टर प्रहराज ने कृषि संरक्षण विषय पर विशेष रूप से दलहनी फसलों की बुवाई से लेकर कटाई अवधि तक होने वाले संभावित नुकसान के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि इन नुकसान के बचाव के तरीके अपनाकर किसान अपनी आय बढ़ा सकते हैं। वैज्ञानिक डॉ. सिद्धा ने कृषि उत्पाद प्राप्त हो जाने के बाद से लेकर भंडारण और मूल्य संवर्धन के विषय पर जानकारी दी। उन्होंने दलहनी फसलों के मूल्य संवर्धन जैसे दाल बनाना, बेसन बनाकर बिक्री करने से अधिक आय अर्जित करने के तरीके बताए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ .धर्मराज सिंह अधिष्ठाता कृषि संकाय तथा संचालन डॉ. आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर डॉ. करम हुसैन, डॉ.एच.जी.प्रकाश सहित अन्य संकाय सदस्य तथा छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक

R.N.I.No-UPHIN/2012/42725

हिन्दुस्तान का इतिहास

कानपुर से प्रकाशित

322 • कानपुर गुरुवार 25 मार्च, 2021 - पृष्ठ: 8 - मूल्य: 1.00 रु.

एग्री विजन कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि एव आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

कानपुर-चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के संकाय सभा कक्ष में एग्री विजन कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि एवं आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक दिवसीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं पीजी छात्र-छात्राओं के लाभार्थ हेतु भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉक्टर सी0एस0 प्रहराज एवं वैज्ञानिक डॉक्टर रिवाना सिद्धा के व्याख्यान आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में डॉक्टर प्रहराज ने कृषि संरक्षण विषय पर विशेष रूप से दलहनी फसलों की बुवाई से लेकर कटाई अवधि तक की होने वाले संभावित नुकसान के बारे में विस्तार से चर्चा की तथा आंकड़ों के माध्यम से बताया कि इन नुकसान के बचाव के तरीके अपनाकर कृषक अपनी आय बढ़ा सकते हैं जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें इस अवसर पर वैज्ञानिक डॉक्टर सिद्धा ने कृषि उत्पाद प्राप्त हो जाने के बाद से लेकर भंडारण और मूल्य संवर्धन के विषय पर विस्तार से जानकारी दी उन्होंने दलहनी फसलों के मूल्य संवर्धन जैसे दाल बनाना, बेसन बनाकर बिक्री करने से अधिक आए अर्पित करने के तरीकों पर प्रकाश डाला जिससे उत्पादक वास्तविक मूल्य से डेढ़ गुना अधिक तक आय प्राप्त कर सकते हैं भंडारण में होने वाले नुकसानो के बारे में विस्तार से भी चर्चा की कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ धर्मराज सिंह अधिष्ठाता कृषि संकाय ने की कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंद स्वरूप श्रीवास्तव ने किया इस अवसर पर डॉ करम हुसैन, डॉ एच जी प्रकाश निदेशक शोध सहित अन्य संकाय सदस्य तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे

हिन्दुस्तान

एप चौबीस घंटे देगा मौसम की जानकारी

सीएसए

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

मौसम में अचानक बदलाव से अब किसानों को नुकसान नहीं होगा। सीएसए विवि अब किसानों को फसलों, बीज, नई तकनीक के साथ अब मौसम की भी जानकारी देगा। विवि ने वेदर एप तैयार किया है, जिसमें 24 घंटे मौसम की जानकारी दी जाएगी। वैज्ञानिकों की मदद से एप मौसम का पूर्वानुमान भी बताएगा।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के मौसम विभाग व वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय की देखरेख में एक वेदर एप बनाया गया है। एप विशेष रूप से विवि से संबद्ध 22 जिलों के किसानों के लिए बनाया गया है। एप को गूगल प्लेस्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। डॉ. पांडेय ने बताया कि एप से किसानों को मौसम के पूर्वानुमान के बारे में जानकारी मिलेगी।